XLRI in News

October 2019

PUBLICATION: Careers 360
DATE:October 2019
PAGE: 9

XLRI organises Dr. Verghese Kurien memorial lecture on sustainable development

DR. VANDANA Siva,environmental activist, inaugurating the lecture

XLRI- Xavier School of Management recently organised a lecture on sustainable development to honour Dr. Verghese Kurien, the father of White Revolution in India. The platform witnessed thought leaders, social entrepreneurs, development sector professionals and policy makers who have made a significant contribution to building a sustainable society. "The principles and ideas that shaped Dr Kurien's contribution to the cooperative dairy sector are principles and ideas that have shaped my work on seeds, biodiversity and agro-ecology", said Dr. Vandana Shiva, an eminent environmental activist, referring to her initiative 'Navdanya' movement.

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE:31 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

मैनेजमेंट फेस्ट | एक्सएलआरआई जमशेदपुर के सालाना कल्चरल एंड मैनेजमेंट फेस्ट ऑन्सम्बल-वलहल्ला का शुभारंभ कल

विराली मोदी के हौसले की कहानी, करुणेश तलवार और आकाश गुप्ता की कॉमेडी, डिवाइन का रैप सुनेंगे शहरवासी

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

एक्सएलआरआई के सालाना मैनेजमेंट एंड कल्चरल फेस्ट ऑन्सम्बल-वलहल्ला (ईवी) 19 का शुभारंभ एक नवम्बर से होगा। तीन दिन तक चलने वाले फेस्ट में देश के मैनेजमेंट संस्थानों के तीन हजार स्टूडेंट्स हिस्सा लेंगे।

उदघाटन एक नवम्बर को एक्सएलआरआई के पूर्व छात्र रहे मशहूर अभिनेता आकाश खुराना करेंगे। फेस्ट के तहत होने वाले आइडिया समिट में मशहूर लेखक व स्क्रीन प्ले राइटर अरिजीत बिश्वास और मॉटिवेटर विराली मोदी अपने विचारों को स्टूडेंट्स के साथ शेयर करेंगी। वहीं प्लेबैक सिंगर निखिल डिस्यूजा भी शिरकत करेंगे। विराली देश-दुनिया में मशहूर हैं। अमेरिका में जन्मी-पली बढ़ी विराली भारत यात्रा के दौरान मलेरिया का शिकार हो गई व कोमा में चली गई। कोमा से बाहर निकलने में विराली सफल हो गई, मगर अब चल नहीं पाती। विराली अपने हौसले की कहानी को स्टूडेंट्स के साथ शेयर करेंगी। आयोजन क प्रवक्ता दीपांश गुप्ता ने कहा- फेस्ट में नई प्रतियोगिताएं भी होंगी। यह देश का पहला फेस्ट है, जिसमें कल्चरल के साथ मैनेजमेंट और स्पोर्ट्स इवेंट्स होंगे। हर रोज शाम को कल्चरल परफॉर्मेंस होगा। पहले दिन देश एक नवम्बर को मशहूर स्टैंड अप कॉमेडियन करुणेश तलवार और आकाश गुप्ता का परफॉर्मेंस होगा। फेस्ट के अंतिम दिन 3 नवम्बर की शाम को गली ब्वॉय के रूप में मशहूर डिवाइन, निखिल डिसूजा का परफॉर्मेंस होगा। डिवाइन इन दिनों देश के टॉप रैपरों में से एक हैं जो यूथ में काफी पॉपुलर हैं।

एक्सएलआरआई के पूर्व छात्र रहे मशहूर अभिनेता आकाश खुराना करेंगे उद्घाटन

आकाश खुराना | विराली मोदी | डिवाइन | आकाश गुप्ता | करुणेश तलवार | निखिल डिसूजा

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 4 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

एक्सएलआरआई में समर प्लेसमेंट के लिए प्री प्लेसमेंट टॉक शुरू

सितंबर तक एनआईटी जमशेदपुर के 60 फीसदी छात्र-छात्राएं लॉक

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

भले ही देश में आर्थिक सुस्ती हो, मगर कैंपस में प्लेसमेंट की गर्मी साफ दिख रही है। जमशेदपुर स्थित नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) और एक्सएलआरआई का प्लेसमेंट रिकॉर्डतोड़ रहा है। एनआईटी के इतिहास में पहला मौका है, जब संस्थान के अंतिम वर्ष (2020 में पास आउट होने वाले) के छात्र सितंबर माह तक ही 60 फीसदी नियोजित हो गये हैं।

संस्थान के विद्यार्थियों को न केवल सबसे ज्यादा ऑफर मिला है बल्कि पैकेज में भी उछाल आया है। संस्थान के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट को ऑर्डिनेटर डॉ.प्रहलाद प्रसाद ने बताया कि सितंबर माह खत्म होने तक संस्थान के 60 फीसदी स्टूडेंट्स लॉक हो गये हैं। यह पहला मौका है जब संस्थान के विद्यार्थियों के प्रति कंपनियों का रुझान बढ़ा है। विभिन्न कंपनियों ने 370 ऑफर दिए हैं। कुल स्टूडेंट्स की संख्या 600 है। प्लेसमेंट के पहले चरण में जो ऑफर आए हैं, वे सॉफ्टवेयर कंपनियों के ज्यादा है। इस साल के प्लेसमेंट की खासियत यह है कि औसत सालाना वेतन में भी बढ़ोतरी हुई है। अब तक संस्थान को जो ऑफर मिले हैं, उसके अनुसार सालाना औसत वेतन 8.92 है। पिछले साल नियोजित हुए स्टूडेंट्स का सालाना वेतन 7 लाख के करीब था।

माइक्रोसॉफ्ट में दो छात्रों को मिला 43 लाख का पैकेज

टॉप पैकेज रिक्रूटर्स

कंपनी	पैकेज	नियोजित
माइक्रोसॉफ्ट	43 लाख	02
एमेजन	28.75 लाख	09
क्वालकम	20 लाख	02
लोज इंडिया	19 लाख	08
ओला	18 लाख	05
जेनरल इलेक्ट्रिक	16 लाख	03
सैमसंग बंगलुरू	14.5 लाख	08
फ्यूचर फर्स्ट	12.4 लाख	02
ऑप्टम	11.6 लाख	23
एक्सेला	11 लाख	04
मास रिक्रूटर्स		
नोकिया	7 लाख	23
कैप जेमिनी	6.8 लाख	28
एमर्डाक्स	6.6 लाख	23
एक्सेल	6.0 लाख	22
शहर की कंपनी		
टाटा स्टील	10.11 लाख	10
टाटा मोटर्स	7 लाख	07

एक्सएलआरआई का सीआरपी बम्पर समर भी बेहतर रहने की उम्मीद

उधर, एक्सएलआरआई जमशेदपुर का इस साल सीआरपी (कैंपस रिक्रूटमेंट प्रोग्राम) बेहतर रहा है। इस साल का फाइनल प्लेसमेंट सौ फीसदी रहा। औसत सालाना वेतन 22.35 लाख जबकि सर्वाधिक सालाना वेतन 50 लाख रूपए रहा है। संस्थान के सालाना वेतन में हर साल बढ़ोतरी हो रही है। फर्स्ट ईयर विद्यार्थियों के लिए होने वाले वाले समर प्लेसमेंट का पीपीटी (प्री प्लेसमेंट टॉक) शुरू हो गया है। संस्थान के सूत्रों का कहना है कि इस साल भी समर प्लेसमेंट को लेकर कंपनियों का रूझान बेहतर है। अगले सप्ताह प्रोसेस शुरू हो जाएगा। संस्थान के प्लेसमेंट को ऑर्डिनेटर प्रोफेसर राजीव मिश्रा ने बताया कि समर का क्रेज बढ़ते जा रहा है। अब अधिकतर कंपनियां विद्यार्थियों को सीधे कैंपस से लेने की बजाय समर इंटर्नशिप किए स्टूडेन्ट्स को पीपीओ (प्री प्लेसमेंट ऑफर) के जरिए नियोजित कर रही है। पांच साल पहले संस्थान के केवल 79 स्टूजेन्ट्स की नौकरी पीपीओ के जरिए मिलती थी। आज उनकी संख्या बढ़कर 122 हो गई है।

एक्सएलआरआई के औसत वेतन में बढ़ोतरी

साल	सालाना वेतन
2016	18.50 लाख
2017	20.10 लाख
2018	22.35 लाख

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 15 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

अवसर • 100 से अधिक कंपनियां आईं, फाइनेंस कंपनियों ने हाई पेड इंटर्नशिप ऑफर किया

एक्सएलआरआई के समर प्लेसमेंट में दो दिन में ही 360 स्टूडेंट्स लॉक, 2 लाख तक स्टाइपेंड

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर का समर प्लेसमेंट इस साल भी दो दिन में ही संपन्न हो गया। देश-दुनिया की 100 से ज्यादा कंपनियों ने महज दो दिन में संस्थान के 360 स्टूडेंट्स को लॉक कर लिया। संस्थान के प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. राजीव मिश्रा ने बताया कि इस साल भी दुनिया भर की कंपनियों का एक्सएलआरआई के विद्यार्थियों के प्रति जबर्दस्त रुझान रहा है। महज दो रोज में ही सारे स्टूडेंट्स प्लेस हो गए। इस साल का समर प्लेसमेंट भी पिछले साल जैसा ही रहा। कंसल्टिंग के अलावा फाइनेंस, सेल्स एंड मार्केटिंग, ऑपरेशंस, बिजनेस डेवलेपमेंट, ह्युमन रिसोर्स व इंडस्ट्रियल रिलेशंस सेक्टर की कंपनियों ने विद्यार्थियों को लॉक किया है। बकौल डॉ. मिश्रा, हम अभी सारे आंकड़े का विश्लेषण कर रहे हैं। लेकिन इस साल भी फाइनेंस की कंपनियों ने स्टूडेंट्स को हाई पेड इंटर्नशिप ऑफर की हैं। इसमें गोल्डमैन सैक्स से लेकर एचएसबीसी, एवेंड्स कैपिटल, जेपी मोर्गन और सिटी बैंक, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, एक्सेंश्योर, केएमपीजी शामिल हैं। एफएमसीजी (मास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) कंपनियां एक्सएलआरआई कैंपस के लिए एवरग्रीन रही है। प्रोक्टर एंड गैम्बल, कोलगेट पामोलिव, हिन्दुस्तान यूनीलीवर, नेस्ले, कोका कोला, पेप्सी, आईटीसी व जॉन्सन एंड जॉन्सन सरीखी कंपनियां हर साल संस्थान के छात्रों के समर के लिए आती हैं।

पिछले साल मिला था मासिक 1.65 लाख तक स्टाइपेंड

इस साल फाइनांस सेक्टर की कंपनी ने सर्वाधिक 2 लाख (प्रति माह) का स्टाइपेंड ऑफर किया है। पिछले साल का सर्वाधिक स्टाइपेंड एक लाख 65 हजार रुपए था। समर प्लेसमेंट दो माह के लिए होता है। फर्स्ट ईयर में पढ़ रहे छात्र अगले साल 2020 में मई और जून में समर इंटर्नशिप करेंगे। अब कंपनियां वैसे स्टूडेंट्स का फाइनल प्लेसमेंट कर रही हैं, जो उनके यहां समर इंटर्नशिप किए होते हैं। फरवरी में होने वाले संस्थान के फाइनल प्लेसमेंट में लगभग आधे ऑफर पीपीओ (प्री प्लेसमेंट ऑफर) होते हैं।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 15 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआई के ऑन्सम्बल-19 में रैप बैटल इवेन्ट्स व कविशाला होंगे

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई जमशेदपुर का सालाना मैनेजमेंट कल्चरल फेस्ट ऑन्सम्बल-19 इस बार कई मायनों में नायाब होगा। एक से तीन नवंबर के बीच होने वाले इस फेस्ट में 11 नए कल्चरल इवेन्ट्स होंगे। ऑन्सम्बल आयोजन समिति के दीपांश गुप्ता ने बताया कि ऑन्सम्बल-19 में पहली बार नए इवेंट्स शुरू होने जा रहे हैं। पहली बार कविशाला नाम की प्रतियोगिता होगी, जिसमें प्रतिभागी कविताओं का पाठ करेंगे। इनकी कविताओं को जज करने के लिए देश के मशहूर कवि होंगे, जिन्हें आमंत्रित किया जा रहा है। कविशाला के अलावा रैप बैटल मेरी गली में... का भी आयोजन इस साल होगा।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 20 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआई में कॉमेडियन करुणेश आकाश करेंगे परफॉर्म

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई जमशेदपुर में 1-3 नवम्बर को होने वाले ऑन्संबल-वलहल्ला मैनेजमेंट फेस्ट में देश के दो स्टैंड अप कॉमेडियन करुणेश तलवार और आकाश गुप्ता परफॉर्म करेंगे। एक्सएलआरआई के दीपांश गुप्ता ने बताया वे फेस्ट के पहले दिन एक नवम्बर को होने वाले कॉमेडी नाइट में परफॉर्म करेंगे।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE:23 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

इंटर्नशिप की रिपोर्ट, सर्वाधिक स्टाइपेंड ढाई लाख

एक्सएलआरआई के औसत समर स्टाइपेंड में 1.2 लाख रु. की वृद्धि

जमशेदपुर | अर्थव्यवस्था की सुस्ती को धत्ता बताते हुए दुनिया भर की कंपनियों ने एक्सएलआरआई के समर प्लेसमेंट में जमकर ऑफरों की बरसात की है। इस साल का सर्वाधिक स्टाइपेंड ढ़ाई लाख रुपए (मासिक) गया है, जो पिछले साल से काफी ज्यादा है। इस साल औसत स्टाइपेंड में मासिक 1.2 लाख रुपए की बढ़ोतरी हुई है। संस्थान के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने बताया कि महज दो दिन में समर इंटर्नशिप प्रोग्राम (एसआईपी) खत्म हो गया। इस साल देश-दुनिया की 86 कंपनियां कैंपस पहुंचीं, जिसमें से 11 कंपनी पहली बार आई थी। सर्वाधिक ऑफर बैंकिंग एंड फाइनांस सेक्टर से आया है। बकौल क्रिस्टी, इस साल के टॉप रिक्रूटर्स में कन्सलटिंग, सेल्स एंड मार्केटिंग और बैंकिंग एंड फाइनांस कंपनियां रही हैं। कन्सल्टेंसी ने 16 फीसदी, सेल्स एंड मार्केटिंग ने 40 फीसदी और बैंकिंग एंड फाइनांस कंपनियों ने 17 फीसदी विद्यार्थियों को लॉक किया। पहली बार आने वाली कंपनियों में बेन एंड कंपनी, अमेजन, निफ, फोनपे, उदान, शेल, डियागियो, ओला, अदाणी, रूपीक आदि थी। सबसे ज्यादा विद्यार्थियों को रिक्रूट करने वालों में अमेजन के अलावा बोस्टन कन्सलिंग ग्रुप, माइक्रोसॉफ्ट, पीएंडजी, आदित्य बिरला ग्रुप, आईटीसी, नेस्ले, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, मान्डेलेज, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, सिटी बैंक आदि शामिल हैं।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE:29 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआई जमशेदपुर द्वारा शहरवासियों के ड्राइविंग बिहेवियर पर किए गए रिसर्च में **खुलासा**

शहर में रात 10 से सुबह 6 बजे तक सबसे ज्यादा हादसे 65% यंगस्टर करते हैं रेड सिग्नल क्रॉस, 75% ओवरटेक

प्रो. संजीव ने कहा- ट्रैफिक नियमों के प्रति संवेदनशील व लोगों को एजुकेट करने की जरूरत

संजय प्रसाद | जमशेदपुर

शहर में हर साल 40 हजार नए वाहन खरीदे जा रहे हैं। हर साल 8 से 10 फीसदी की दर से वाहन सड़क पर बढ़ रहे हैं। हर साल करीब 5 हजार सड़क हादसे होते हैं। जिनमें से लगभग आधे नहीं बचते। हेलमेट नहीं पहनने और सही समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने के कारण दम तोड़ देते हैं। इसका खुलासा एक्सएलआरआई जमशेदपुर द्वारा शहरवासियों के ड्राइविंग बिहेवियर पर किए गये रिसर्च में हुआ है।

रिसर्च के अनुसार 70 फीसदी यंगस्टर हेलमेट पहन कर ड्राइविंग नहीं करते हैं। हेलमेट नहीं पहनने के पीछे वजह हेयर स्टाइल और लड़कियों को आकर्षित करना है। रिसर्च के अनुसार शहर में सर्वाधिक दुर्घटनाएं रात में होती है। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच 34 फीसदी सड़क दुर्घटना होती हैं, क्योंकि इस वक्त में सड़कों पर हेवी वाहन धड़ल्ले से चलते हैं। ऐसे वाहनों के चालक शराब पीकर गाड़ियां चलाते हैं। शाम 6 से 10 बजे के बीच 21 फीसदी, दोपहर 12 से 3 बजे के बीच 13 फीसदी, 3 से 6 बजे के बीच 13 फीसदी और सुबह 6 बजे से 10 बजे के बीच 11 फीसदी सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। सबसे कम सड़क दुर्घटना सुबह 10 बजे से 12 बजे के बीच होती है, जिसका प्रतिशत 8 है। इस रिसर्च को करने वाली टीम के संयोजक प्रोफेसर संजीव वार्ष्णेय के अनुसार जब तक यंगस्टर को सही तरह से एजुकेट और ट्रैफिक नियमों के प्रति संवेदनशील नहीं बनाया जाएगा, रैश ड्राइविंग और बढ़ती जाएगी। अब तो शहर की ट्रैफिक स्थिति और भयावह हो गई है।

शहर में हर साल खरीदे जा रहे हैं 40 हजार नए वाहन, करीब पांच हजार होते हैं सड़क हादसे, जिनमें से लगभग ढाई हजार गंवा देते हैं जान

साकची से मरीन ड्राइव जाने वाला गोलचक्कर।

दो साल के आंकडे

वेहिकल	2010 घायल	2010 मरे	2011 घायल	2011 मरे
टू व्हीलर	170	57	150	53
ऑटो	32	12	37	16
ट्रक, डम्पर	111	70	81	70
पैदल	40	18	41	05
साइकिल	31	15	34	01
बस	51	18	51	20
कार	36	08	37	08

ट्रैफिक उल्लंघन को गलत नहीं मानते लोग

- शहर के 1.60 फीसदी लोगों का कहना है कि ट्रैफिक लाइट का उल्लंघन कोई गलत नहीं है
- रेड सिग्नल के बावजूद 65 फीसदी बाइकर्स तेज गति से सिग्नल पार करते हैं
- 75 फीसदी यंगस्टर मानते हैं कि वे ओवरटेक करते हैं
- 60 फीसदी वाहन चालकों का कहना था कि वे कैंची मारते हैं
- 50 फीसदी बाइकर्स जरूरत नहीं होने पर भी अपनी उपस्थिति को दर्शाने के लिए तेज हॉर्न बजाते हैं
- 15 से 20 साल के यंगस्टर का बिहेवियर गाड़ी चलाते वक्त ज्यादा एग्रेसिव होता है। ये बाइक चलाते वक्त जान बुझ कर अपना एग्रेशन दिखाते हैं

ऐसे होगी हादसों में कमी

1. ट्रैफिक नियम के बारे में जागरूकता बढ़ाना, सही तरह के बिहेवियर के लिए कार्यशाला का आयोजन
2. रिवार्ड एंड पनिशमेंट- ट्रैफिक नियमों को लेकर सख्ती बरतना। जो नियम को पालन नहीं करते, उन्हें दंड देना। जो नियमों का पालन करते हैं उन्हें रिवार्ड देना।
3. ट्रैफिक सिग्नल को चित्र के साथ बताना,ताकि वह ज्यादा दिखे
4. इनोवेटिव रोड सिग्नल का प्रयोग करना
5. पेन्टेड स्पीड बम्पर और रोड नंबर का इस्तेमाल करना

शहर में इन जगहों पर होती हैं सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं

- हाथीघोड़ा मंदिर (सुवर्णरेखा और लिंक रोड के नजदीक)
- जुबिली पार्क गेट के पास
- वोल्टास बिल्डिंग के पास (बिष्टुपुर और जुगसलाई के बीच)
- गरमनाला (टाटा स्टील सिक्यूरिटी ट्रेनिंग सेंटर के पास)
- लिट्टी चौक, भुइंयाडीह और स्लैग रोड के पास

सड़क दुर्घटना में मरने वालों की आयु

	2010	2011
14 साल के नीचे	15	18
15-24 साल	53	70
24 साल के ऊपर	133	119

हादसों की बड़ी वजह जागरूकता की कमी

इस रिसर्च की जरूरत क्यों: जमशेदपुर झारखंड का सबसे तेजी से ग्रोथ करने वाला शहर है। पूरी दुनिया में 84 वां तेजी से विकसित होता शहर है। आर्थिक विकास की रफ्तार के साथ शहर में वाहनों की संख्या और उसकी रफ्तार भी बढ़ती गई हैं। सीएजीआर के अनुसार शहर में 10.30 प्रतिशत की गति से वाहन बढ़ रहे हैं।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 30 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआई के प्रोफेसर का गुरुग्राम में निधन

जमशेदपुर |एक्सएलआरआई के प्रोफेसर रहे नारायण मुखर्जी का देहांत मंगलवार सुबह गुरुग्राम में हो गया। प्रोफेसर मुखर्जी 1992 में एक्सएलआरआई से रिटायर हुए थे। उनके निधन पर लॉयन क्लब ऑफ जमशेदपुर की एक शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें नारायण मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर पूर्वी घोष, रजनीश कुमार आदि थे।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 18 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआई • ऑन्संबल-वलहल्ला 19 का आयोजन एक से तीन नवंबर तक होगा

ऑन्संबल-वालहल्ला की मेगा नाइट में गली ब्वॉय रैपर डिवाइन 3 नवंबर को देंगे परफॉर्मेंस

सिटी रिपोर्टर|जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर का सालाना मैनेजमेंट एंड कल्चरल फेस्ट ऑन्संबल वलहल्ला-19 इस साल बॉलीवुड की कई हस्तियों का गवाह बनने जा रहा है। एक नवंबर से तीन नवंबर तक होने जा रहे देश के बड़े फेस्ट की मेगा नाइट परफॉर्मेंस में मशहूर कम्पोजर-रैपर विवियन फर्नांडीस (डिवाइन) का परफॉर्मेंस होगा। आयोजन समिति के दीपांश गुप्ता, मारिया मैथ्यू और वाय लिथिका ने बताया कि इस बार का ऑन्संबल कई मामले में अलग होने जा रहा है। फिल्म मुक्काबाज, ब्लैकमेल और गली ब्वॉय फिल्मों से युवाओं की पसंद बने डिवाइन 3 नवंबर की शाम को टाटा ऑडिटोरियम में परफॉर्मेंस देंगे। फिल्म गली ब्वॉय की कहानी डिवाइन की जिंदगी पर आधारित है। ये मेरा बॉम्बे नामक वीडियो एलबम से सनसनी बने डिवाइन को आउटलुक सोशल मीडिया अवॉर्ड, म्यूजिशियन ऑफ द ईयर अवॉर्ड, गिमा अवॉर्ड फॉर द बेस्ट ईडीएम ट्रैक का पुरस्कार मिल चुका है।

अभिनेता आकाश खुराना व स्क्रिप्ट राइटर अरिजीत विश्वास भी होंगे शामिल

डिवाइन | आकाश खुराना | अरिजीत विश्वास

वलहल्ला के आइडिया समिट में इस साल अभिनेता आकाश खुराना व अंधाधुन फेम स्क्रिप्ट राइटर अरिजीत विश्वास शामिल होंगे। आकाश खुराना एक्सएलआरआई के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने अपने खास किरदार से दर्शकों के बीच जगह बनाई है। आकाश ने फिल्म बेटा, डैडी, प्रेम, बॉम्बे, सरफरोश, कंपनी, जिंदगी खूबसूरत है, दिलजले व अन्य में काम किया है।

15.5 लाख ऑन्सम्बल की प्राइज मनी

दीपांश गुप्ता ने बताया कि इस साल ऑन्सम्बल की प्राइज मनी 15.5 लाख होगी। मैनेजमेंट फेस्ट के अलावा कई नए कल्चरल फेस्ट आयोजित होने जा रहे हैं, जिसकी प्राइज मनी ज्यादा होगी। कविशाला में जज के रूप में देश के एक बड़े कवि होंगे।

'ब्रेक फ्री' इस साल ऑन्सम्बल की थीम

वलहल्ला-19 का थीम ब्रेक फ्री होगा। दीपांश ने कहा- इसका मकसद युवाओं में नई सोच को प्रोत्साहित करना है। इंडस्ट्री की पहली जरूरत ऐसे लीडर की है, जो अलग तरह से सोचता है। इस थीम पर आधारित हमारे इवेंट्स होंगे, जिसमें प्रतिभागियों की नई सोच को परखा जाएगा।

PUBLICATION:Dainik Jagran,City
DATE:31 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:3

होंगी प्रतियोगिताएं | **फिल्मों के प्रख्यात कलाकार डॉ. आकाश खुराना करेंगे उद्घाटन**

ऑनसेंबल-वलहल्ला में जुटेंगे दिग्गज

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट-एक्सएलआरआइ में सालाना कार्यक्रम ऑनसेंबल-वलहल्ला के आयोजन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आगामी एक नवंबर को संस्थान परिसर में इस कल्चरल, स्पोर्ट्स व मैनेजमेंट फेस्टिवल का उद्घाटन टेलीविजन व फिल्मों के प्रख्यात कलाकार और कारपोरेट लीडर डॉ. आकाश खुराना करेंगे।

आकाश खुराना एक्सएलआरआइ के पूर्व छात्र रह चुके हैं। एक से तीन नवंबर तक चलनेवाले इस आयोजन में तरह-तरह की गतिविधियों की भरमार रहेगी। वहीं कई प्रख्यात हस्तियों का दीदार भी पूर्वी भारत के बी स्कूलों के छात्र कर सकेंगे। डॉ. आकाश खुराना के अलावा फिल्म व टेलीविजन से जुड़ी हस्तियों में शिशिर शर्मा, विराली मोदी, अरिजीत विश्वास व वरुण महाना शामिल हैं।

गली ब्वॉय डिवाइन के रैप का होगा परफारमेंस : गली ब्वॉय के नाम से विख्यात हो चुके रैपर डिवाइन यानि निखिल डिसूजा ऑनसेंबल-वलहल्ला 2019 के खास आकर्षण होंगे। उनकी प्रस्तुति इस आयोजन को खास बनाने जा रही है। प्रतिभागी छात्र-छात्राएं उनकी प्रस्तुति में झूमने के लिए तैयार हैं।

लकी अली, अमित त्रिवेदी जैसे कलाकार बना चुके आयोजन को खास : एक्सएलआरआइ के वार्षिक फ्लैगशिप इवेंट ऑनसेंबल-वलहल्ला के पूर्व के आयोजनों को कई नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से खास बना चुके हैं। इनमें मुख्य रूप से अमित त्रिवेदी, लकी अली, निखिल डिसूजा, विपुल गोयल, सौरभ पंत, विश्व कल्याण रथ, जाकिर खान शामिल हैं।

तैयारी पूरी

- एक्सएलआरआइ में एक से तीन नवंबर तक होगा आयोजन
- बिजनेस गतिविधियों के अलावा डिवाइन का शो होगा खास आकर्षण

डॉ. आकाश खुराना।

स्पोर्ट्स इवेंटस की मचेगी धूम

ऑनसेंबल - वलहल्ला में वैसे तो कई गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, इनमें कुछ परफारमेंस होंगी तो कई प्रतियोगिताओं के जरिए विभिन्न बी स्कूलों के प्रतिभागी छात्र अपनी मेधा व दक्षता का जलवा बिखेरेंगे। वहीं कई स्पोर्ट्स गतिविधियां भी इस आयोजन का खास बनाती हैं। इनमें फुटबॉल, टेनिस व क्रिकेट शामिल हैं। इसके अलावा लिटरेरी, कल्चरल व बिजनेस इवेंट्स होंगे। इस आयोजन में शहर के प्रतिभागी भी शिरकत करेंगे।

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE: 18 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:18

एक्सएलआरआइ में गली ब्वॉय डिवाइन का शो तीन को

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : गली ब्वॉय के नाम से मशहूर म्युजिक कंपोजर, डॉक्युमेंट्री व फिल्मों के कलाकार डिवाइन (विवियन फर्नांडिस) का मेगा शो जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट -एक्सएलआरआइ में आगामी तीन नवंबर को होगा। संस्थान के एनुअल फ्लैगशिप इवेंट एनसेंबल - वलहल्ला 2019 के तहत यह आयोजन टाटा ऑडिटोरियम में किया जाएगा।

एक से तीन नवंबर तक एनुअल फ्लैगशिप इवेंट एनसेंबल : वलहल्ला का आयोजन किया जाएगा। इसबार आयोजन को पिछले कई वर्षों के मुकाबले व्यापक स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है।

विवियन फर्नांडीस।

15.5 लाख से ज्यादा होगी ओवरऑल प्राइज मनी : इस बार देशभर के बिजनेस स्कूलों के छात्र-छात्राएं इस प्रतियोगी कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगी। आयोजकों की ओर से इस बार ज्यादा सहभागिता की संभावना जताई जा रही है। ओवरऑल प्राइज मनी भी 15.5 लाख से अधिक है। फेस्ट का थीम भी कुछ इस तरह है जिससे प्रतिभागी पारंपरिकता से हटकर इनोवेशन के लिए प्रेरित हो सकें।

विवियन फर्नांडिस (डिवाइन नाम से मशहूर) अपने यूनिक म्युजिक कंपोजिशन के लिए ज्यादा जाने जाते हैं। हिट बॉलीवुड फिल्म गली ब्वॉय उनकी जिंदगी पर आधारित है। बॉलीवुड फिल्म मुक्काबाज, ब्लैकमेल व गली ब्वॉय से ज्यादा चर्चा में आए। उनके वीडियो एलबम ये मेरा बांबे को बेस्ट वीडियो के रूप में रोलिंग स्टोन इंडिया अवार्ड प्रदान किया गया। 2018 में आउटलुक सोशल मीडिया अवार्ड फोर द म्युजिशियन ऑफ द इयर प्रदान किया गया। 2019 में डिस्कवरी चैनल की डॉक्युमेंट्री गली लाइफ : स्टोरी ऑफ डिवाइन का विषय भी खुद विवियन फर्नांडिस ही थे।

PUBLICATION:Hindustan Times
DATE:23 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

Highest monthly stipend of ₹2.5L in XLRI summer internship placement

HT Correspondent
htjharkhand@hindustantimes.com

JAMSHEDPUR: The Xavier School of Management (XLRI) on Tuesday achieved 100% placement for the 2019-21 batch after completion of its two-day Summer Internship Placement (SIP) process here. The batch has 361 students.

This year, the SIP saw the monthly stipend increasing to ₹1.2 lakh.

This year, the SIP saw participation from 86 recruiters, including 11 new ones. The average stipend saw an increase to ₹1.2 lakh per month from ₹1.07 lakh per month in 2018. The median stipend offered was also ₹1.2 lakh per month. The highest stipend stood at ₹ 2.5 lakh per month offered in the banking, financial services, and insurance (BFSI) sector.

"This has been a good year for summer recruitments. We are extremely grateful to all the recruiters for showing belief in the XLRI institutional brand and our students. The spectacular placements achieved this year is a testament to our diverse talent pool and the XLRI brand and has raised the bar for placements in B-schools in the country," said Father P Christie SJ, director, XLRI.

Students on XLRI campus. HT

THE AVERAGE STIPEND SAW A RISE TO ₹1.2L PER MONTH FROM ₹1.07L PER MONTH IN 2018. THE MEDIAN STIPEND OFFERED WAS ALSO ₹1.2 LAKH PER MONTH

The top segments based on roles offered were consulting, sales and marketing, and BFSI. Consulting firms extended offers to 16% of the candidates. Sales and marketing, and BFSI constituted 40% and 17% respectively of the roles offered to Business Management students. Other roles included niche functions in Analytics, Product Management, Business Development, Brand Management and Strategy.

Organisations from a wide spectrum of sectors participated in the process, including FMCGs, consulting, pharma, IT and e-commerce, auto, mining, oil and gas and telecom. Firms which participated for the first time included Bain & Co, Amazon, NIIF, PhonePe, Udaan, Shell, Diageo, Ola, Adani, Rupeek among others.

Amazon made the highest number of offers among the regular recruiters such as Boston Consulting Group (BCG), Microsoft, Procter & Gamble, Aditya Birla Group, ITC, Nestle, Hindustan Unilever, Mondelez, Mahindra & Mahindra and Citibank. First-time recruiters included Bain&Co, Adani Group, Diageo, NIIF, Kornferry, PhonePe, Mars and Udaan.

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 30 October 2019
EDITION: Mumbai
PAGE: 9

Graded autonomy for top engineering, B-schools

Prashant K Nanda
prashant.n@htlive.com

After granting autonomy to IIMs and top universities, the education regulators have now granted graded autonomy to leading private engineering and B-Schools in the country that, among other things, shall be eligible for government grants and annual monitoring from regulators.

The All Indian Council for Technical Education (AICTE) has notified its decisions to categorise institutions into three categories based on their performance, excellence in domestic and international rankings and national accreditations.

Category-1 engineering and B-schools shall be eligible for "grants and no inspections by the AICTE," the new policy notification said.

"They can start new courses without approval; they may start skill courses; they open research parks, incubation centres or institute society linkage centres, provided it's in." self-financing mode, either on its own or in partnership with private partners".

Such engineering and management schools will be allowed to recruit foreign faculty and admit foreign students and decide on their salaries and fees independently. These institutions shall be "exempted from annual monitoring of their institutions...except when there is substantive evidence of their not meeting basic minimum criteria or of irregularities or malpractices".

IIMs were recently granted autonomy to enable better administration. HT FILE

To get a category-1 status, for example, an institution must be running three courses and all of them must have got accreditation from the National Board of Accreditation with a score not less than 75% or 750 out of 1000 accreditation score. NBA accredits individual subjects in schools. If a school runs seven courses, at least five of them must have a score of 75% or above. Institutions who have a 67.5% score (upto 75%), will be clubbed in the category-II institutions and rest will be category three. The first two categories will also enjoy academic autonomy.

Other than the NBA score, if an engineering or B-School gets into the top 100 global subject rankings, including the FT Global MBA Ranking or QS Global MBA Ranking, it will be considered for the grade one autonomy. "After IIMs autonomy, most of the private B-Schools were at a disadvantage. This notification brings certain amount of parity in status and provides a level playing field to the PGDM institutions with IIMs to some extent," said H. Charurvedi, director of Birla Institute of Management Technology (Bimtech) in Greater Noida, a leading private B-School. Other than Bimtech, XLRI Jamshedpur, MDI Gurgaon, IMT Ghaziabad, Great Lakes Institutes in Chennai, Mudra Institute of Communication Ahmedabad (MICA), Goa Institute of Management, Fore School in New Delhi and RP-Sanjiv Goenka Group's International Management Institute (IMI) in New Delhi are likely to benefit from the new notification from the coming academic year.

"It will also free the accredited institutions from red tapism, bureaucratic delays and archaic rules and help them to align their curriculum and programme bouquets with the ever-changing requirements of the industry at the national and global level," said Chaturvedi, who is also the alternate president of the Education Promotion Society of India, a confederation of private education providers.

PUBLICATION:Khabar Mantra
DATE:23 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआइ : 2019-21 बैच का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई (जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट) ने दो दिनों के भीतर 2019-21 के बैच के लिए अपनी समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट प्रक्रिया (एसआईपी) के पूरा होने की घोषणा की। 361 छात्रों वाले बैच ने 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल किया है।

इस साल, समर इंटर्नशिप प्रक्रिया में 86 रिक्रूटर्स की भागीदारी देखी गई, जिसमें 11 फर्स्ट-टाइम रिक्रूटर्स शामिल थे। औसत स्टाइपेंड एक लाख सात हजार

समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट संपन्न

रुपये से बढ़ कर इस साल एक लाख 20 हजार रुपये प्रतिमाह हो गया। मध्य वजीफा भी बढ़ कर 1.20 लाख रुपये प्रतिमाह हो गया जबकि अधिकतम 2.5 लाख रुपये मासिक वजीफा बीएफएसआई क्षेत्र में मिला है।

पेशकश की गई भूमिकाओं के आधार पर शीर्ष खंड परामर्श, बिक्री और विपणन और बीएफएसआई थे। परामर्श फर्मों ने 16 प्रतिशत उम्मीदवारों को अफर प्रदान किए। सेल्स एंड मार्केटिंग और बीएफएसआई ने क्रमशः व्यवसाय प्रबंधन छात्रों को दी जाने वाली भूमिकाओं में 40 प्रतिशत और 17 प्रतिशत ऑफर मिला है। अन्य भूमिकाओं में एनालिटिक्स , उत्पाद प्रबंधन, व्यवसाय विकास, ब्रांड प्रबंधन और रणनीति में आला कार्य शामिल थे। एफएमसीजी, कंसल्टिंग, फार्मा, आईटी और ई-कमर्स, अटो, माइनिंग, अयल एंड गैस और टेलीकम सहित कई सेक्टर के संगठनों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया। अमेजन से सर्वाधिक ऑफर मिले हैं।

PUBLICATION:Mint
DATE:9 October 2019
EDITION: All Edition
PAGE:16

It would be better if the gig economy workers are also included in the definition of an unorganized worker. PRADEEP GAUR/MINT

Proposed policy is not a game changer, appears inadequate

K R Shyam Sundar
feedback@livemint.com

The central government has released a revised draft Code on Social Security (CSS) but the drafting process highlights the complexities inherent in combining a diverse set of labour laws and welfare schemes and points out the enormous challenges for implementing it after its enactment, which appears to be a farcey at this stage.

The complexities arise as the government has, though in right earnest, sought to make social security a statutory right for all the workers including gig workers. Codification of laws concerning industrial relations or wages is fine as they deal with most similarly placed aspects, unlike the CSS. If the government's approach is to universalize the social security right (which is a long-term project) it is better to adopt the sectoral approaches by adding and strengthening laws and schemes. This idea gains credibility as the CSS 2019 has dropped several important exercises like distinguishing between 'employees' and 'non-employees', the 'income threshold', 'the consolidated maximum social security contribution of 17.5%' (including the imputed gratuity), 'intermediate agencies', etc.

Even the very arrangement and contents of the CSS 2019 expose the enormous amount of compromises made in it. For example, the CSS 2019 has the First Schedule according to which the clauses concerning the employees' provident fund (EPF) will be applicable to establishments employing 20 or more, the employees' state insurance (ESI) to those employing 10 or more people, gratuity to every factory, mine, etc. and shops and establishments employing 10 or more people (see Section 3 in the Payment of Gratuity Act, 1972), etc. So, the universal social security seems to have been done away save for inclusions here and there, like the gig workers.

> The new draft social security code appears to be a safe game, and not a game changer

The code almost mirrors the existing applicability clauses in the relevant laws. Chapters III to IX reproduce in a broad sense the existing laws concerning subjects like EPF, ESI, gratuity, maternity benefit, etc. For example, let us compare Chapter IX which deals with the Social Security for unorganized workers with the existing law on it (2008). Save for minor suitable revisions and additional clauses for gig workers, the chapter is a virtual reproduction of the 2008 Act. Even with respect to the gig economy workers, it would have e been better if these workers are included in the definition of the unorganized worker as the gig worker "performs work or participates in a work arrangement and earns from such activities outside the traditional employer-employee relationship".

The codification process has discarded concrete aspects like criteria for determination of minimum wages and working hours to the rule-making process, and this unhealthy trend continues with this code as well. For example, while the CSS prescribes the provident fund contribution by employers and employees at 12%, it leaves the ESI contributions to be determined by the Centre through probably a government order or in the rules framed under the code. Further, even in the case of EPF, there's a flexibility clause empowering the government to notify a different contribute rate. Rules under the laws are made for administrative needs as the law prescribes the substantive aspects like the rates of contribution and leaves the processes to the rules. The draft code is a safe game, and not a game changer. It may be advisable for the government to avoid considerable legislative, economic and other costs if it could simply amend the existing laws to achieve consistency where necessary, say for gig workers rather than expending tremendous social energies and costs (in terms of even possible protests) that reforms may engender.

K.R. Shyam Sundar is a labour economist and professor at XLRI, Jamshedpur

PUBLICATION: Mint
DATE: 17 October 2019
EDITION:All Edition
PAGE:16

Govt grants autonomy to top engineering, business schools

AICTE notifies criteria for engineering, management colleges to apply for autonomy

Prashant K. Nanda
prashant.n@livemint.com
NEW DELHI

Hundreds of B-Schools, including MDI Gurgaon, XLRI Jamshedpur, IMT Ghaziabad, Great Lakes Institutes in Chennai, and Mudra Institute of Communication in Ahmedabad, will benefit from the move. MINT

After granting autonomy to Indian Institutes of Management (IIMs) and top universities, the education regulator has now granted graded autonomy to leading private engineering and business schools. Benefits include eligibility for government grants and freedom from the regulator's annual inspection and monitoring.

The All India Council for Technical Education (AICTE) has notified its decisions to categorize institutions into three based on their performance, excellence in domestic and international rankings and national accreditation.

Category-I engineering and B-schools shall be eligible for "grants and no inspections by the AICTE," the new policy notification said. "They can start new courses without approval; they may start skill courses; open research parks, incubation centres or institute society linkage centres, provided it's in "self-financing mode, either on its own or in partnership with private partners". Such engineering and management schools will be allowed to recruit foreign faculty and admit foreign students and decide on salaries and fee independently. These institutions shall be "exempted from annual monitoring of their institutions...except when there is substantive evidence of their not meeting basic minimum criteria or of irregularities or malpractices".

To get a category-I status, an institution must be running three courses and all of them must have got accreditation from the National Board of Accreditation with a score not less than 75%. NBA accredits individual subjects in schools. If a school runs seven courses, at least five of them must have a score of 75% or above. Institutions who have a 67.5% score (upto 75%), will be clubbed in category-II and the rest will be category-III. The first two category will also enjoy academic autonomy.

Other than the NBA score, if an engineering or B-School gets into the top 100 global subject rankings including the FT Global MBA Ranking or QS Global MBA Ranking, it will be considered for grade one autonomy. "After IIMs' autonomy, most of the private B-Schools were in disadvantage. This notification brings certain amount of parity in status and provide a level-playing field to the PGDM institutions with IIMs to some extent," said H. Chaturvedi, director of the Birla Institute of Management Technology (Bimtech) in Greater Noida, a leading private B-School.

Other than Bimtech, hundreds of B-Schools including XLRI Jamshedpur, MDI Gurgaon, IMT Ghaziabad, Great Lakes Institutes in Chennai, Mudra Institute of Communication Ahmedabad, Goa Institute of Management, Fore School in New Delhi and RP-Sanjiv Goenka Group's International Management Institute in New Delhi are likely to benefit from the new notification from the coming academic year.

LEVEL PLAYING FIELD

CATEGORY-I engineering and management schools will be allowed to recruit foreign faculty

TO get a category-I status, an institution must be running three courses with accreditation

NOTIFICATION brings parity in status and provides a level playing field to the PGDM institutions

THESE institutions shall be exempted from the annual monitoring except in case of malpractices

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 15 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

IN BRIEF

PGCIL EXECUTIVES' TRAINING

Power Grid Corporation of India limited is training his executives in apex Management school XLRI Jamshedpur. The five days leadership development programme, which started today, will last till October 18. As many as 26 executives of PGCIL from different regions are being trained in this Programme they will be trained on the topics like, Effective leadership, Maintaining work life balance, stress management, Interpersonal communication skill, effective presentation, emotional intelligence and public speaking etc. This Training programme is being organised by POWERGRID Eastern Region-I Headquarter Patna.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 19 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI gears up for annual fest Ensemble-Valhalla

Vivian Fernandes to perform

PNS ■ JAMSHEDPUR

City based B-school XLRI is gearing up for Ensemble-Valhalla, the annual flagship festival. The fest will be held from November 1 to 3. Famous rapper Vivian Fernandes, better known by his stage name Divine will be performing for its final pro-show night on November 3.

Known for his unique compositions and his series of popular singles and Bollywood songs, Divine has gained phenomenal recognition through his hits in movies like Mukkabaaz, Blackmail, and Gully Boy.

He has a number of accolades to his name such as the 2013 Rolling Stone India Award for the Best Video for Yeh Mera Bombay, the 2018 Outlook Social Media Award for the Musician of the Year, and the 2015 GIMA Award for the Best EDM Track of the Year for "Jungle Raja". He was the subject of the 2019 Discovery Channel documentary, Gully Life: Story of Divine. Bollywood blockbuster Gully Boy was based on his life. He is the only rapper in India to have been the subject of both a documentary and a Bollywood movie.

"We are all set for the festival. The event promises to be bigger than ever before. It is already witnessing an overwhelming involvement, with the highest ever participant turn out for its pre-event competitions and the overall prize money being as high as ₹15.5 lakh. The fest's theme promises to be an attempt to inspire people to break free from the stereotypes and encourage innovation among them," said a student. Xavier School of Management (XLRI) is a premier, private management institute in India founded in 1949 by Fr Quinn Enright, S.J. in the 'steel city' of Jamshedpur.

Over the last six decades, the institute has grown into a top-ranking business management school of international repute with a wide portfolio of management programs and research publications.

Its alumni are spread around the globe and have demonstrated responsible business leadership in their organisations.

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 22 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

Expect more light, less noise this Diwali

Social organisations give call for safe festival of lights

PNS ■ JAMSHEDPUR

Crackers are an inseparable part of Diwali celebrations. But several city-based organisations seemed to be aware about its negative effects are promoting eco-friendly Diwali this time.

Taking the lead organisations like Punjabi Samaj and educational cradles like Xavier School of Management (XLRI), and National Institute of Technology-Adityapur have given a call for safe Diwali.

Punjabi Samaj, an apex body of Punjabi community in the city, has decided to celebrate cracker less Diwali. Led by its president Gian Taneja, the organisation has not only called for cracker less Diwali but also promoting the use of earthen 'Diyas' and not imported Chinese lights.

"There is also an increasing concern over environmental pollution and the safety issues involved in making and bursting fire crackers. On the day of Diwali and the following days, the particulate matter in the atmosphere is at its pinnacle that can attribute to serious health issues. So under the banner of Punjabi Samaj we have decided to celebrate eco-friendly Diwali," said Gian Taneja, a prominent businessman of Jamshedpur. "Crackers cause pollution. Not only it harms the environment but also patients who have asthma. So, we will not burst crackers," noted the president.

Meanwhile, schools like Greenfield at Sonari are also educating children to shun use of crackers. "Children cannot be away from crackers. So, we have decided to organise Diyotsav to at least tell them to use sound less crackers.

On that day, students, parents and teachers will participate to tie Diwali Suraksha bandhan (like a friendship band) to their fellow students, teachers and guests," said Ekta Agarwal, Principal, Greenfield School.

Last year, the DBMS English School in Kadma organised a rally on cracker free Diwali. Students of class III from the Junior Safe Club went out with slogans only to convey the message that diyas are better than crackers as the latter only harm people and the environment.

So, about 250 children guided by their teachers went around the school and the neighbouring areas to make sure that they could convince people.

A student of NIT-Aidtyapur Rishab Kumar said that at their campus too they are promoting the need for noiseless Diwali. "Firecrackers are obvious contributors to noise and dust pollution, emitting hazardous chemicals.

So why not think of ways to celebrate a green Diwali? Instead of bursting firecrackers try meeting up with friends and cousins, even the long-lost ones, exchanging sweets and inviting people over for lunch or dinner.

We could also bring a smile and cheer to those less privileged by visiting orphanages or homes for the underprivileged and spending quality time with them" he noted.

On the other hand for special children of Jamshedpur, Diwali is more than just a celebration of light.

It is that time of the year when they are at their creative best as they get together to make an amazing variety of Diwali decorative items. From designer candles to diyas they make everything to make the festival special for everyone.

PUBLICATION: Pioneer
DATE:23 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI Summer Internship 2019

Students offered highest stipend of ₹2.5 lakh

PNS ■ JAMSHEDPUR

Xavier School of Management (XLRI) completed its Summer Internship Placement Process (SIP) for the batch of 2019-21 within two days. The batch consisting 361 students has achieved 100% placement.

This year, the Summer Internship Process saw participation from 86 recruiters, including 11 first-time recruiters. The average stipend saw an increase to Rs. 1.2 lakh per month from Rs. 1.07 lakh per month in 2018.

The median stipend offered too was Rs. 1.2 lakhs per month. The highest stipend stood at Rs. 2.5 lakh per month offered in the banking, financial services and insurance (BFSI) sector.

The top segments based on roles offered were Consulting, Sales & Marketing, and BFSI. Consulting firms extended offers to 16% of the candidates. Sales & Marketing and BFSI constituted 40% and 17% of the roles offered to Business Management students respectively.

Other roles included niche functions in Analytics, Product Management, Business Development, Brand Management, and Strategy.

Organizations from a wide spectrum of sectors participated in the process, including FMCGs, Consulting, Pharma, IT and e-commerce, Auto, Mining, Oil & Gas and Telecom. Orgaizations who participated for the first time included firms such as Bain & Co., Amazon, NIIF, PhonePe, Udaan, Shell, Diageo, Ola, Adani, Rupeek and others.

Amazon made the highest number of offers amongst the regular recruiters such as The Boston Consulting Group, Microsoft, P&G, Aditya Birla Group, ITC, Nestle, Hindustan Unilever, Mondelez, Mahindra & Mahindra, Citibank and others. First-time recruiters included companies such as Bain & Co., Adani Group, Diageo, NIIF, Kornferry, PhonePe, Mars and Udaan, amongst others. "This has been a good year for summer recruitments. We are extremely grateful to all the recruiters for showing belief in the XLRI institutional brand and our students.

The spectacular placements achieved this year is a testament to our diverse talent pool and the XLRI brand and has raised the bar for placements in B-schools in the country," said P. Christie, director, XLRI.

Widely regarded as the best college in the country for HR, HR roles were offered by firms spanning the spectrum such as P&G, Mondelez, Nestle, RB, Colgate Palmolive, RPG, Accenture, ITC, Udaan, PhonePe, Reliance, Ola, Bajaj, Coca Cola, CISCO Mars and others.

HR roles offered also included recruitment, HR consulting and HR analytics.

Consulting was a big draw this year with firms such as The Boston Consulting Group, Bain & Co., AT Kearney, Accenture Strategy, EY, PWC, Kornferry, KPMG, Aon and others participating in the process.

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 31 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

City youth cycles across countries to spread social message

Akram Ansari covered distance of 6,000 Kms in 49 days across 6 countries

DIVYA MODI ■ RANCHI

In an attempt to make the world a better place, city resident Akram Ansari, a 24-year-old cycling enthusiast has returned from his expedition Cyclothon 3.0 on October 11. Creating social awareness, Ansari during his journey covered a distance of 6,000 Kms in 49 days across 6 countries.

Flagged off from Ranchi on August 20 by IG (Training) Priya Dubey, the cyclist began his mission in India and has travelled across Bangladesh, Myanmar, Thailand, Malaysia and Singapore.

Founder and chairman of an NGO called Bless 'n' Bliss, Ansari addressed seminars at various educational institutions on burning issues like lack of education for the underprivileged children, poor employment opportunities for members of the transgender community and women safety.

During his campaign, Ansari addressed seminars and talks at XLRI Jamshedpur, NIT Rourkela, AIUB Bangladesh, AIESEC Bangladesh and AIESEC Singapore to name a few.

"My mission was not just to cycle across the globe but

was also to encourage people to work on these issues. Thanks to popular social media platforms like Facebook, Instagram and Twitter where I would constantly post updates, people from not just these countries but other parts of the world as well have been very supportive about this cause," said the cyclist.

Based on his talk at NIT Rourkela, the college has decided to start a training centre for members of the transgender community and provide them with basic training like that of an office assistant or a data entry person.

"The response I received at the various institutions has been very positive and overwhelming. Other organisations have also been equally encouraging and talks for further collaboration are in process," said the entrepreneur. From cycling in extreme weather conditions like scorching heat to freezing temperatures to torrential rain, Ansari feels that every day was a new challenge. "You realize you are travelling against nature and need to be very strong not just mentally but physically also for doing so. It's not impossible, if you think it's possible, you can do it," he said.

Since the day for the talks at the various universities was already fixed, Ansari recalls that he could not take a break for even a single day."With the unexpected conditions there were days when I would cover a distance of about 200 Kms in 20 hours.

Owning to the rough terrain and ongoing work of road construction, there were places where I had to lug my cycle and walk for about 130 Kms," he remarked.

The distance which was to be covered in 22- 23 days had to be crossed in just 15 days. "Since visa on arrival in Thailand is only granted for 15 days that was the time I had to travel across the country and cover 1900 Kms," he said.

Another major challenge, which Ansari faced was the lack of proper diet in a lot of places. "I can only carry a limited amount of supplies in my backpack, but thanks to my strength training I managed to overcome this as well," said the fitness freak.

The cyclist also had to trek through the dense forests of Malaysia as cycling on the expressway is prohibited there. "The ride through the forests was not only scary but also increased the distance by about 300- 350 Kms.

At one point I even saw an alligator where as there were numerous wild monkeys all along this route. All alone in a jungle with not another soul around would send shivers down my spine," he recalled.

Ansari through his expedition is just trying to urge people to come forward and make a small change in the society. "I don't want anyone to give me a medal or a certificate for my work; I just want to be acknowledged, to be known for my work.

And that is the least the government can do for my contribution in making this world a better place," said Ansari.

PUBLICATION: Prabhat Khabar, City
DATE: 23 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआइ में समर इंटर्नशिप 361 विद्यार्थियों को मिला ऑफर

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ के समर इंटर्नशिप में मंदी का कोई असर नहीं देखने को मिला. कारण है कि एक्सएलआरआइ में इस बार समर इंटर्नशिप में विद्यार्थियों को दिये जाने वाले ऑफर में उछाल देखा गया. पिछले साल एक्सलर्स को औसतन 1.07 लाख रुपये का ऑफर समर इंटर्नशिप के लिए लिया गया था. जबकि इस साल यह बढ़ कर 1.20 लाख रुपये हो गया है. इस बार एक्सलर्स को अपने यहां समर इंटर्नशिप करवाने के लिए कुल 86 कंपनियां पहुंची थी, जिसमें 11 कंपनियां नयी थी जिन्होंने अब तक एक्सएलआरआइ में किसी प्रकार का कोई कैंपस नहीं किया था. दो दिनों तक चले समर इंटर्नशिप में कुल 361 विद्यार्थियों को समर इंटर्नशिप के लिए लॉक किया गया. इसमें सबसे ज्यादा ऑफर 2.5 लाख रुपया किया गया है. बीएफएसआइ सेक्टर ने यह ऑफर दिया है. कंसल्टिंग फर्म ने संस्थान के कुल 16 फीसदी, सेल्स एंड मार्केटिंग 40 फीसदी व बीएफएसआइ ने 17 फीसदी विद्यार्थियों को लॉक किया है. सबसे ज्यादा अमेजॉन ने एक्सएलआरआइ के विद्यार्थियों को लॉक किया है. अमेजॉन के अलावा बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, आदित्य बिरला ग्रुप, माइक्रोसॉफ्ट, पीएंडजी, आइटीसी, नेस्ले, हिंदुस्तान लीवर जैसी कंपनियों ने भी एक्सएलआरआइ के विद्यार्थियों को लॉक किया. इसे लेकर एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर पी. क्रिस्टी ने कहा कि 100 फीसदी विद्यार्थियों को लॉक होने से वे काफी उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि रिक्रूटर ने एक्सएलआरआइ पर हमेशा भरोसा जताया है.

यह इस बात को साबित करता है कि एक्सएलआरआइ देश के टॉप बिजनेस स्कूलों में शुमार है. जहां के विद्यार्थी मौजूदा दौर की हर चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार हैं.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 20 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआइ में कॉमेडियन आकाश और करुणेश करायेंगे लोटपोट

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में ऑन्सेंबल-वलहल्ला 2019 के उदघाटन के मौके पर दो मशहूर कॉमेडियन आकाश गुप्ता व करुणेश तलवर एक्सएलआरआइ में आयोजित कार्यक्रम ऑन्सेंबल में पहुंच रहे हैं. वे एक नवंबर को अपनी कला के जरिये एक्सलर्स के चेहरे पर हंसी बिखेरेंगे. यह जानकारी एक्सएलआरआइ प्रबंधन की ओर से दी गयी.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 31 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:17

आकाश खुराना एक नवंबर को आयेंगे एक्सएलआरआइ में

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में एक नवंबर से ऑन्सेंबल-वलहल्ला की शुरुआत हो रही है. इसमें देश के कई दिग्गज शामिल होंगो. एक्सएलआरआइ प्रबंधन की ओर से बताया गया कि एक नवंबर को उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध अभिनेता आकाश खुराना शामिल होंगे. वे एक्सलर्स के साथ ही देश के अन्य बिजनेस स्कूलों के विद्यार्थियों को आइडिया समिट के दौरान लीडरशिप के गुर सिखायेंगे. साथ ही ये भी बतायेंगे कि किस प्रकार संघर्षों को जीते हुए उन्होंने इस मुकाम को पाया.

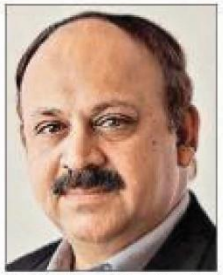

आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि इस बार कई टीवी कलाकार भी इसमें हिस्सा ले रहे हैं. जिसमें शिशिर शर्मा, विराली मोदी, अरिजीत विश्वास, वरूण मरोना समेत कई अन्य शामिल हैं. साथ ही कई मल्टीनेशनल कंपनी के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में शानदार कार्य कर चुके लोग भी आइडिया समिट में फ्यूचर लीडर से रूबरू होंगे. ऑन्सेंबल वलहल्ला को यादगार बनाने के लिए इस बार कवि सम्मेलन के साथ ही म्यूजिकल नाइट का भी आयोजन किया जा रहा है. इस बार प्राइज मनी कुल 15.5 लाख रुपये रखी गयी है. खेल कूद के साथ ही क्विज, नाटक, टैलेंट शो के साथ ही कई अन्य मानक पर भावी मैनेजरों को परखा जायेगा.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE:27 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:19

एक्सएलआरआइ में एक से तक वलहल्ला-ऑन्सेंबल 2019

जमशेदपुर.एक्सएलआरआइ में हर साल होने वाले सालाना फेस्ट ऑन्सेंबल-वलहल्ला 2019 की तैयारियां पूरी कर ली गयी है. इस बार यह फेस्ट एक से तीन नवंबर तक होगा. इस बार इसमें देश के अलग-अलग दो दर्जन बिजनेस स्कूल के विद्यार्थी इसमें शामिल हो रहे हैं. इस दौरान विद्यार्थियों के बीच खेलकूद, ऑन स्पॉट बिजनेस पेंटिंग, डांस, गीत-संगीत, क्विज, प्रॉब्लम सॉल्विंग समेत कई अन्य प्रकार की प्रतियोगिताएं होंगी. इस बार प्रतियोगिता में 15.5 लाख रुपये प्राइज मनी तय की गयी है. एक्सएलआरआइ के साथ ही अन्य बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों को झूमाने के लिए गली ब्वॉय फेम डिवाइन खास तौर पर झुमाने के लिए आ रहे हैं. इसके साथ ही स्टैंडअप कॉमेडी का भी आयोजन किया जायेगा. जिसमें खास तौर पर आकाश गुप्ता व करुणेश तलवार शामिल हो रहे हैं. साथ ही एक्सएलआरआइ के बैंड बोधी ट्री जहां बैंड परफॉर्मेंस करेगा वहीं ड्रैकुला टीम नाटक के माध्यम से कई गंभीर बातों को नाटक के माध्यम से पेश करेगा. अंतिम दिन यानी तीन नवंबर को विजेता व उपविजेता का घोषणा किया जायेगा.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE: 18 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:21

एक्सएलआरआइ ऑन्सेंबल-वलहल्ला का समापन तीन को

गली ब्वॉय विवियन फर्नांडीस करेंगे रैप

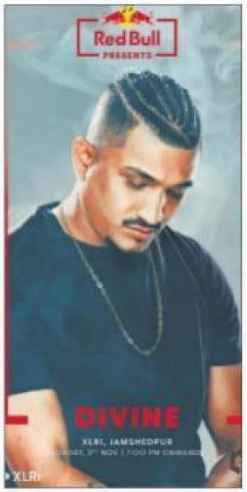

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

गली ब्वॉय के नाम से मशहूर म्यूजिक कंपोजर, डॉक्यूमेंट्री व फिल्मों से प्रसिद्धि पानेवाले डिवाइन (विवियन फर्नांडीस) का तीन नवंबर को शहर के लोगों को अपने रैप के जरिये झूमायेंगे. वे एक्सएलआरआइ में ऑन्सेंबल-वलहल्ला 2019 के समापन के दौरान पहुंच रहे हैं. टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में स्पेशल पास के जरिये इंट्री होगी. एक्सएलआरआइ में एक से तीन नवंबर तक एनुअल फ्लैगशिप इवेंट ऑन्सेंबल-वलहल्ला तीन का आयोजन किया जायेगा. जिसे इस बार खास बनाने की तैयारी की गयी है. गौरतलब है कि विवियन फर्नांडिस (डिवाइन नाम से मशहूर) अपने यूनिक म्यूजिक कंपोजिशन व म्यूजिक वीडियो के लिए ज्यादा जाने जाते हैं. पिछले दिनों हिट बॉलीवुड फिल्म गली ब्वॉय उनकी जिंदगी पर आधारित बायोग्राफी है. फिल्म मुक्काबाज, ब्लैकमेल व गली ब्वॉय से उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी. 2019 में डिस्कवरी चैनल की डॉक्यूमेंट्री गली लाइफ : स्टोरी ऑफ डिवाइन का विषय भी खुद विवियन फर्नांडिस ही थे. उनके वीडियो एलबम ये मेरा बांबे को बेस्ट वीडियो के रूप में रोलिंग स्टोन इंडिया अवार्ड दिया जा चुका है. वर्ष 2018 में आउटलुक सोशल मीडिया अवार्ड फॉर द म्युजिशियन ऑफ द इयर का अवार्ड भी विवियन को मिल चुका है.

15.5 लाख से ज्यादा होगी प्राइज मनी

इस बार वलहल्ला ऑन्सेंबल में देशभर के बिजनेस स्कूलों के सैकड़ों विद्यार्थी शामिल होंगे. इस दौरान उनके खेलकूद के साथ ही मैनेजेरियल स्किल को अलग-अलग पैमाने पर परखा जायेगा. जिसमें सफल होने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार दिया जायेगा. एक्सएलआरआइ प्रबंधन की ओर से बताया गया कि इस बार प्राइज मनी 15.50 लाख रुपये से ज्यादा है. इस बार उक्त फेस्ट में इनोवेशन से जुड़ने को लेकर भी कई अलग प्रतियोगिताएं डिजाइन की गयी है. कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है. जिसमें शहर के कवि भी हिस्सा ले सकेंगे.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 5 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

XLRI conducts 'Daan Utsav', to spread message of joy of giving

Jamshedpur, Oct. 4: B-school XLRI- Xavier School of Management is celebrating Daan Utsav starting from Gandhi Jayanti, October 2. This year the drive will continue from October 2 till Oct 20. This year, as a part of Single Use Plastic-Free India campaign, XLRI will also be participating in and organising events such as plogging, workshops, awareness campaigns to promote the campaign.

XLRI has been celebrating this festival in Jamshedpur as Daan Utsav: Jamshedpur JoyFest since 2009 in partnership with schools, NGOs, corporates and civil society organisations.

In the past many schools in the city (e.g., bagh-e-Jamsheed, JH Tarapore, MNPS, etc.), NGOs (SEEDS, Kalamandir, Jharkhand HRD Center, etc.), and corporate organisations (e.g., Tata Steel, Timken, Tata Power, Tata Cummins, etc.) and ordinary citizens of the city had participated in the Jamshedpur JoyFest.

Like earlier years, this year too one of the main initiative is the "Donate for Dignity" under which XLRI volunteers will be collecting and distributing material and resources for the less-privileged segments of the society.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 19 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI gears up for annual fest 'Ensemble', Vivian Fernandes to perform

Mail News Service

Jamshedpur, Oct. 18 : City based B-school XLRI is gearing up for Ensemble-Valhalla, the annual flagship festival

The fest will be held from November 1 to 3. Famous rapper Vivian Fernandes, better known by his stage name Divine will be performing for its final pro-show night on November 3.

Known for his unique compositions and his series of popular singles and Bollywood songs, Divine has gained phenomenal recognition through his hits in movies like Mukkabaaz, Blackmail, and Gully Boy.

He has a number of accolades to his name such as the 2013 Rolling Stone India Award for the Best Video for YehMera Bombay, the 2018 Outlook Social Media Award for the Musician of the Year, and the 2015 GIMA Award for the Best EDM Track of the Year for "Jungle Raja". He was the subject of the 2019 Discovery Channel documentary, Gully Life: Story of Divine. The hugely successful Bollywood movie Gully Boy was based on his life. He is the only rapper in India to

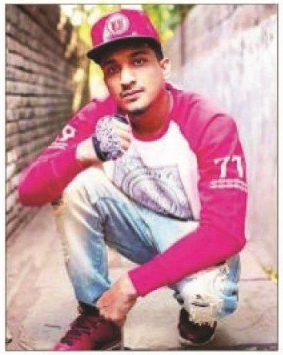

have been the subject of both a documentary and a Bollywood movie.

" We are all set for the festival. The event promises to be bigger than ever before. It is already witnessing an overwhelming involvement, with the highest ever participant turn out for its pre-event competitions and the overall prize money being as high as Rs 15.5 lakhs. The fest's theme promises to be an attempt to inspire people to break free from the status quo/stereotypes and encourage innovation among them," said a student.

Xavier School of Management(XLRI) is a premier, private management institute in India founded in 1949 by Fr Quinn Enright, S.J. in the 'steel city' of Jamshedpur (www.xlri.ac.in).

Over the last six decades, the institute has grown into a top-ranking business management school of international repute with a wide portfolio of management programs and research publications. Its alumni are spread around the globe and have demonstrated responsible business leadership in their organisations.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE:21 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Expect more light, less noise this Diwali

Mail News Service

Jamshedpur, Oct. 20 : Crackers are an inseparable part of Diwali celebrations. But several city-based organisations seemed to be aware about its negative effects are promoting eco-friendly Diwali this time. Taking the lead organisations like Punjabi Samaj and educational cradles like Xavier School of Management (XLRI), and National Institute of Technology-Adityapur have given a call for safe Diwali.

Punjabi Samaj, an apex body of Punjabi community in the city, has decided to celebrate cracker less Diwali. Led by its president Gian Taneja, the organisation has not only called for cracker less Diwali but also promoting the use of earthen 'Diyas' and not imported Chinese lights.

"There is also an increasing concern over environmental pollution and the safety issues involved in making and bursting fire crackers. On the day of Diwali and the following days, the particulate matter in the atmosphere is at its pinnacle that can attribute to serious health issues. So under the banner of Punjabi Samaj we have decided to celebrate eco-friendly Diwali," said Gian Taneja, a prominent businessman of Jamshedpur.

"Crackers cause pollution. Not only it harms the environment but also patients who have asthma. So, we will not burst crackers," noted the president.

Meanwhile, schools like Greenfield at Sonari are also educating children to shun use of crackers. "Children cannot be away from crackers. So, we have decided to organise Diyotsav to at least tell them to use sound less crackers. On that day, students, parents and teachers will participate to tie Diwali Suraksha bandhan (like a friendship band) to their fellow students, teachers and guests," said Ekta Agarwal, Principal, Greenfield School.

Last year, the DBMS English School in Kadma organised a rally on cracker free Diwali. Students of class III from the Junior Safe Club went out with slogans only to convey the message that diyas are better than crackers as the latter only harm people and the environment. So, about 250 children guided by their teachers went around the school and the neighbouring areas to make sure that they could convince people.

A student of NIT-Aidtyapur Rishab Kumar said that at their campus too they are promoting the need for noiseless Diwali. "Firecrackers are obvious contributors to noise and dust pollution, emitting hazardous chemicals. So why not think of ways to celebrate a green Diwali? Instead of bursting firecrackers try meeting up with friends and cousins, even the long-lost ones, exchanging sweets and inviting people over for lunch or dinner. We could also bring a smile and cheer to those less privileged by visiting orphanages or homes for the underprivileged and spending quality time with them" he noted.

On the other hand for special children of Jamshedpur, Diwali is more than just a celebration of light. It is that time of the year when they are at their creative best as they get together to make an amazing variety of Diwali decorative items. From designer candles to diyas they make everything to make the festival special for everyone. Students of School of Hope and Parents' Association for the Mentally Handicapped - a centre in Dhatkidih - are busy preparing beautiful designer candles and diyas for the festival of lights, which will also help them to earn some pocket money.

The special children of various centres in the steel city are grabbing attention with their display of diyas and candles made by them. Special children and their parents and the management of School of Hope are very much excited with the response and have expressed their gratitude to the people for appreciating the candles and diyas made by these special children.

This year many varies of diyas and candles were on display all made by the special children of School of Hope.The price of the items range from Rs.5/- to Rs.200/- .

"The aim is to train them well so that tomorrow, when they leave the special school, they can earn and live a life of dignity," said an official of the school.

Police to focus on gambling dens this Diwali

Jamshedpur, Oct. 20 : With Diwali on the cards, the police are geared up to bust the gambling dens, especially those which are organised by traders at their establishments or other safe places in the steel city.

The action was planned as gambling is organised on and before Diwali in several places in the city every year.

Sleuths from the intelligence department have been instructed to collect information about places where organised gambling has been continuing for the last couple of years.

Revealing about the move, SSP Anoop Birtharay said that they would start raiding the places where gambing is organised.

"We have decided to conduct raids at the public places like bus-stand, parks, empty houses or under-constructe houses. We will arrest those found indulged in the act and will prosecute them under Section 13 of the gambling act," said Birtharay.

Another official said those who organise the gambling if caught during the raids will be prosecuted under 3/4 of the Gambling Act and will get bail from the court only.

He stated that the officers in-charge of the police stations have been instructed to check gambling in their respective areas. Sources said gambling is organised in large scale at a number of place in Jugsalai during every Diwali. At the gambling dens in Jugsalai selected traders are allowed to participate in the act in which lakhs of rupees are put on stack.

Other places where gambling is organised include marketplaces in Sakchi, Bistupur, Kadma, Sonari and Golmuri. The gambling is also held at some houses in the residential locality of Baradwari, Sonari and Sakchi.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE:23 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI Summer Internship 2019: Students offered highest stipend of Rs. 2.5 lakhs

Mail News Service

Jamshedpur, Oct. 22 : Xavier School of Management(XLRI)completed its Summer Internship Placement Process (SIP) for the batch of 2019-21 within two days. The batch consisting 361 students has achieved 100% placement.

This year, the Summer Internship Process saw participation from 86 recruiters, including 11 first-time recruiters. The average stipend saw an increase to Rs. 1.2 lakh per month from Rs. 1.07 lakh per month in 2018. The median stipend offered too was Rs. 1.2 lakhs per month. The highest stipend stood at Rs. 2.5 lakhs per month offered in the Banking, financial services and insurance (BFSI) sector.

The top segments based on roles offered were Consulting, Sales & Marketing, and BFSI. Consulting firms extended offers to 16% of the candidates. Sales & Marketing and BFSI constituted 40% and 17% of the roles offered to Business Management students respectively. Other roles included niche functions in Analytics, Product Management, Business Development, Brand Management, and Strategy.

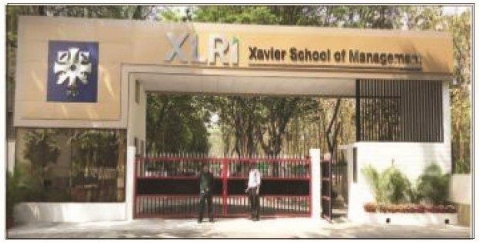

Organizations from a wide spectrum of sectors participated in the process, including FMCGs, Consulting, Pharma, IT and e-commerce, Auto, Mining, Oil & Gas and Telecom. Orgaizations who participated for the first time included firms such as Bain & Co., Amazon, NIIF, PhonePe, Udaan, Shell, Diageo, Ola, Adani, Rupeek and others.

Amazon made the highest number of offers amongst the regular recruiters such as The Boston Consulting Group, Microsoft, P&G, Aditya Birla Group, ITC, Nestle, Hindustan Unilever, Mondelez, Mahindra & Mahindra, Citibank and others. First-time recruiters included companies such as Bain & Co., Adani Group, Diageo, NIIF, Kornferry, PhonePe, Mars and Udaan, amongst others.

"This has been a good year for summer recruitments. We are extremely grateful to all the recruiters for showing belief in the XLRI institutional brand and our students.

The spectacular placements achieved this year is a testament to our diverse talent pool and the XLRI brand and has raised the bar for placements in B-schools in the country," said P. Christie, director, XLRI.

Widely regarded as the best college in the country for HR, HR roles were offered by firms spanning the spectrum such as P&G, Mondelez, Nestle, RB, Colgate Palmolive, RPG, Accenture, ITC, Udaan, PhonePe, Reliance, Ola, Bajaj, Coca Cola, CISCO Mars and others. HR roles offered also included recruitment, HR consulting and HR analytics. Consulting was a big draw this year with firms such as

The Boston Consulting Group, Bain & Co., AT Kearney, Accenture Strategy, EY, PWC, Kornferry, KPMG, Aon and others participating in the process.

PUBLICATION: The Hindu Business Line
DATE:23 October 2019
EDITION:All Edition
PAGE:17

Amazon leads recruiters at XLRI's summer internship placements for 2019-21

OUR BUREAU
Bengaluru, October 22

E-commerce major Amazon has made the highest number of offers amongst the regular recruiters at the Xavier School of Management's (XLRI) Summer Internship Placement Process (SIP) for 2019-21.

This year's SIP saw the average stipend increase to ₹1.2 lakh per month from ₹1.07 lakh in 2018. The highest stipend stood at ₹2.5 lakh offered in the banking financial services and insurance (BFSI) sector.

The SIP for the batch of 361 students concluded within two days with 100 per cent placement.

This year 86 recruiters, including 11 first-time recruiters participated. Some of the major recruiters include the Boston Consulting Group, Microsoft, P&G, Aditya Birla Group, ITC, Nestle, Hindustan Unilever, Mondelez, Mahindra & Mahindra, and Citibank. First-time recruiters included companies such as Bain & Co, Adani Group, Diageo, NIIF, Kornferry, PhonePe, Mars and Udaan.

The average stipend saw an increase to ₹1.2 lakh per month from ₹1.07 lakh in 2018

Top segments

The top segments based on roles offered were consulting, sales and marketing, and BFSI. Consulting firms extended offers to 16 per cent of the candidates; Sales and marketing 40 per cent; and BFSI 17 per cent to business management students.

"The spectacular placements achieved this year is a testament to our diverse talent pool and the XLRI brand and has raised the bar for placements in B-schools in the country," said P Christie SJ, Director, XLRI- Xavier School of Management.

Other roles included niche functions in analytics, product management, business development, brand management, and strategy.

Organisations from a wide spectrum of sectors participated in the process, including FMCGs, consulting, pharma, IT and e-commerce, auto, mining, oil & gas and telecom.

PUBLICATION: The Hindu Business Line
DATE: 21 October 2019
EDITION: All Edition
PAGE:16

Yahoo Groups, original social network, to begin winding up from today

A birding network in Delhi is all aflutter at the impending demise of the online discussion board

CHITRA NARAYANAN

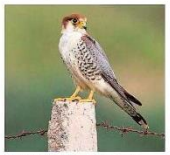
'Delhibird', a Yahoo Groups fraternity of over 10,000 birding enthusiasts who post details of bird walks, sightings and trip reports, is now desperately trying to migrate its content to Google Groups

Facebook is often credited with being the big creator of communities, and the reuniter of classmates. But long before the social network was formed, it was Yahoo Groups that brought people with the same hobbies, interests and connections together, enabling them to swap stories and pictures.

On Monday, a piece of internet history will begin to be erased as users of Yahoo Groups will no longer be able to upload content to the site. On its support page Yahoo!, now owned by Verizon, has posted: "Beginning October 21, you won't be able to upload any more content ot the site, and as of December 14, all previously posted content on the site will be permanently removed. You will have until that date to save anything you have uploaded."

All files, photos, emails, attachments, message updates on Yahoo Groups will vanish from the internet around mid-December.

The news has created consternation among those who still use the egroups - yes, believe it or not, there are quite a few who do so.

Take 'Delhibird', a Yahoo Groups fraternity of over 10,000 birding enthusiasts who post details of bird walks, sightings and trip reports on the platform. Moderator Nikhil Devasar is gobsmacked. All aflutter, he says he is frantically searching the net to see how he can migrate the content to Google Groups. He emphasises that the content on the platform — especially the bird sighting reports — is incredibly valuable for researchers, authors and ornithologists, who often cite it in papers and books.

Scan & Share

It was in 2000 that Devasar had started the Delhibird egroup. A few years down the line, he created Delhibirdpix on Google Groups — the idea was that photos would be posted on Google groups while Yahoo Groups would be kept for text.

Why didn't they migrate to any other platform? "We never felt the need — it worked so wonderfully and has such good functionalities," says Devasar. "I can just type Great Indian Bustard on Yahoo Groups and get all the messages ever posted related to the bird," he says, illustrating his point. Also, given that it is an email network, there is none of the noise and clutter that is predominant in social media networks.

The HR connect

The news of the closure of Yahoo Groups has also set off nostalgic recollections among many. Independent HR consultant and tech enthusiast Gautam Ghosh recalls how in the late 1990s, when he was part of the knowledge management group at Satyam Computers (now Tech Mahindra), they were looking for a platform to share knowledge. They set up the knowledge management society of India on egroups.com, an email listing service.

Eventually egroups got acquired in 2000 by Yahoo! - perhaps its best ever buy. Yahoo! had paid $432 million for egroups, which had 18 million users at that time.

Ghosh says the HR community was a heavy user of Yahoo Groups in the early 2000s. He himself was on 17 HR-related Yahoo Groups. The XLRI Jamshedpur alumnus says he was asked by his professor Madhukar Shukla to create Yahoo Groups for old students. "We created batch-wise Yahoo Groups for XLRI alumni and also created city chapters," he says.

He recalls how XLRI also had a jobs egroup going. "It has 4,000 or 5,000 people — many of whom would post jobs and many who got hunted. How many head hunters bills we saved those days through Yahoo Groups," he exclaims.

Currently, Ghosh feels Facebook leverages the power of groups best.

Naveen Chandra, Former head of international business for Times Network, recalls how in the late 1990s and early 2000s, Yahoo! symbolised cool. "It had a cool name, heritage and story. In many ways, Yahoo Groups was the earliest form of social media as it helped us link up with school friends," he says. "It was not real-time communication as most of us were on desktops then," he says, "but for that time it was a great thing."

Very few may miss it, but many will remember it fondly!

PUBLICATION: The Statesman
DATE: 8 October 2019
EDITION: New Delhi
PAGE: 14

Listen and learn

XLRI- Xavier School of Management organised the 6th "Dr Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development" recently. Organised under the aegis of Fr Arrupe Center for Ecology and Sustainability (FACES), XLRI, in memory of the founder of Amul Verghese Kurien, otherwise known as "the Milkman of India", the oration aims to provide a platform to listen and learn from thought leaders, social entrepreneurs, development sector professionals and policy makers who have made a significant contribution to the idea of an empowered, prosperous and sustainable society.

This year, Vandana Shiva, eminent environmental activist and ecofeminist delivered the oration on "Oneness vs The 1%: Ecological responses to the threat for planet and humanity". The event was graced by Nirmala Kurien, daughter of Kurien, P Christie, SJ, director of XLRI, Ashis K Pani, dean (academics), XLRI, Madhukar Shukla, chairperson, FACES, XLRI and other dignitaries.

PUBLICATION:The Hindu
DATE:7 October 2019
EDITION: All Edition
PAGE:16

Sustainable development

XLRI — Xavier School of Management, Jharkhand, recently organised the sixth "Dr Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development". It is organised under the aegis of Fr. Arrupe Center for Ecology and Sustainability (FACES). This year, Dr. Vandana Shiva, eminent environmental activist and ecofeminist delivered the oration on the topic "Oneness vs. The 1%: Ecological responses to the threat for planet and humanity".

PUBLICATION: The Telegraph
DATE:3 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE:9

Steel city plogs a *swachh* message

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: A series of activities based on the principles of Mahatma Gandhi were carried out on Gandhi Jayanti to mark the 150th birth anniversary of the Father of the Nation on Wednesday.

The day started with the plogging event as part of the Union sports ministry's Fit India Plogging Run, where more than 200 people got together at Aambagan Ground in Sakchi and jogged for 2km to pick up mounds of plastic waste.

The hour-long event, a first in the city, was hosted by Tata Steel and Jusco. Mountaineer Premlata Agarwal, Tata Steel sports head Ashish Kumar, Gaurav Anand from Jusco, businessmen, executives and students from XLRI attended the event.

"A very nice morning activity where you jog with your friends and pick up plastic from the streets. It was awesome. Cleanliness and exercise at the same time. We hope more such activities take place in future," said Kadma-based businessman Amit Agarwal.

The joggers were given sacks and gloves to collect the litter.

Organ donation

Jamshedpur-based social outfit People for Change organised an awareness rally on organ donation. The 2-km rally supported by Rotaract Clubs of the city started from CH Area and culminated at the same place after covering Northern Town and parts of Straight Mile Road.

HAPPY BIRTHDAY, BAPU: SNAPSHOTS FROM ACROSS THE STATE

Tributes to Mahatma Gandhi on the occasion of his 150th birth anniversary on Wednesday. (Clockwise from top left) **Chief minister Raghubar Das pays homage at Bapu Vatika, Morabadi Ground, in Ranchi ; JMM chief Shibu Soren, with his son and Leader of Opposition Hemant Soren, stand as *Raghupati Raghav* is sung at Bapu Vatika; IIT(ISM) director Rajeev Shekhar** (in sky blue kurta) **along with students and professors take a "no single-use plastics" pledge during the Swachhata Hi Seva Campaign on the institute premises in Dhanbad; Dhanbad MLA Raj Sinha** (second from right), **mayor Chandrashekhar Agarwal** (third from right), **SSP Kishore Koushal** (fourth from right) **and DC Amit Kumar** (fifth from right) **distribute jute bags to vendors at Bartand market in Dhanbad during the "no plastic" campaign by the civic body to mark Gandhi Jayanti; and artistes perform a skit on issues close to Bapu's heart at P&M Hi-Tech City Centre in Jamshedpur.** Pictures by Prashant Mitra, Gautam Dey and Bhola Prasad

PUBLICATION: The Telegraph
DATE:4 October 2019
EDITION:Kolkata
PAGE:14

Jesuit institutes to share best practices

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

Park Street: The heads of nearly 75 Jesuit-run institutions of higher education in India, Sri Lanka, Nepal and Bangladesh will converge in the city on Sunday to discuss and share their best practices to help strengthen each institution and the overall standard of higher education.

The role of the Jesuit-run institutions in today's situation, how students can be prepared to face challenges and the facilities every institution should develop to fight environment pollution on campus and in surrounding areas are issues that will also be discussed during the two-day meet, officials of St Xavier's College and St Xavier's University in Calcutta said.

The two institutes will host the meet.

XLRI Jamshedpur, Loyola College Chennai, St Xavier's College Mumbai, St Xavier's College Ranchi, Xavier University Bhubaneswar and Xavier Institute of Social Sciences, Ranchi, are some of the Jesuit-run institutes in India.

"We (St Xavier's College and St Xavier's University) will spell out how we have been successful in bringing in the attitude among teachers that they should be continuously engaged in research activities. This is one of the most important best practices at St Xavier's. Other institutes will learn from our experiences and can follow the same policies to promote their research activities," said Father Felix Raj, vice-chancellor, St Xavier's University, New Town.

Similarly, XLRI Jamshedpur will share their unique policies that helps attract the best recruiters and sharpen the skills of students. "Other institutes can learn from XLRI to strengthen their placement facilities," said an official.

Apart from best practices in academic matters, the initiatives taken by the individual institutions in achieving excellence in governance will be also discussed.

For example, at St Xavier's College Calcutta and also at St Xavier's University the development of the institutes depend not on the Jesuit Fathers alone but is a collective responsibility of every student, teacher, non-teaching staff and officer.

Nearly 85 delegates, including principals, directors and vice-chancellors from the 75 institutions, will take part in the discussions.

The world is changing fast and the role Jesuit institutions need to play to prepare the students ahead of time will be discussed at the conference.

"There will be a session on planning for the future. The policies that need to be adopted for handling the situation in the next decade will be discussed elaborately," said Father Felix Raj.

The Jesuits have included environment as one of the most important areas in which they would be working on in the coming years.

"We need to develop certain facilities to prevent environment pollution, not just on our campuses but also outside," said an official.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE:12 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

B-SCHOOL APPOINTS COUNSELLOR, TIES UP WITH EMOTIONAL WELLNESS PORTAL

Next lesson at XLRI, how to manage stress

MENTAL HEALTH IN FOCUS

ANIMESH BISOEE

Jamshedpur: Premier B-school XLRI has appointed a full-time counsellor and tied up with an online emotional wellness platform to help aspiring managers manage mental stress.

Father Nelson D'Silva, associate dean (student affairs and administration), told **The Telegraph** on Friday that it was the need of the hour.

"We felt that in the current scenario students, though they are adults when they come to the institution, need expert guidance in tackling emotional stress and mental problems. We have appointed this month a full-time, qualified counsellor. We have also tied up with well-known emotional wellness platform YourDost recently," he said. "Most of the higher education centres including premium B-schools do avail the service of counsellors to meet the need of students. It is the need of the hour and most institutions have either full-time or part-time counsellors," he added.

The steps are part of a series efforts made by the institution ranked seventh in the 2019 National Institutional Ranking Framework (NIRF), a methodology adopted by the Union HRD ministry to rank institutions of higher education in India annually.

XLRI sources revealed that the full-time counsellor, Pooja Mohanty, holds a PhD from National Institute of Mental Health and Neuro Sciences (Nimhans), Bangalore.

"She would be assisted by another counsellor, Sumita Bhagat, who holds a degree from RINPAS Ranchi and has been serving as a part-time counsellor for the last few months," the source said.

YourDost, which connects individuals with mental health experts and life coaches from over 15 cities in the country, offers counselling across areas like relationships, career, sexual wellness and self-improvement.

"As part of the tie-up our students can access YourDost by entering their XLRI email ID in the YourDost portal," D'Silva explained. "Students can get benefit of the counselling through this platform at their own leisure time depending on their academic schedule completely confidentially."

Incidentally, Thursday (October 10) was world mental health day. XLRI, which has had at least one student commit suicide, has also prohibited entry of vendors inside the campus and deployed security guards near all the hostels.

This apart, students while going out of the campus will have to enter timing and reason for leaving the campus and also enter the timings while entering the campus.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE:23 October 2019
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI intern jackpot

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

Jamshedpur: Premier B-school XLRI on Tuesday announced that it had achieved a cent per cent placement in summer internship for the entire batch of 2019-21 with 361 students.

The internship process, an much-awaited annual event in the B-school, got over in two days. This time, 86 companies turned up to recruit the summer interns.

The average stipend saw an increase from Rs 1.07 lakh a month in 2018 to Rs 1.2 lakh a month in 2019. The highest stipend offered this year was Rs 2.5 lakh a month.

Of the 86 companies from across verticals, 11 were first-time recruiters to XLRI. However, the recruiter's list was shorter this year as 95 companies had turned up to recruit summer interns in 2018.

However, Father P. Christie, the director of XLRI, said this had been a good year for summer recruitments.

"We are extremely grateful to all the recruiters for demonstrating faith in the XLRI institutional brand and in our students. The spectacular placements achieved this year is a testament to our diverse talent pool and the XLRI brand and this (hiring of summer interns) has raised the bar for placements in B-schools across the country," said the XLRI director.

Organisations from a wide spectrum of sectors participated in the process, including from the FMCG, sales and marketing, banking, financial services and insurance, consulting, pharmaceutical, IT and e-commerce, automobile, mining, oil and gas and telecom.

Some of the first-time recruiters were Bain & Co., Amazon, PhonePe, Udaan, Shell and Ola.

Last year, too the B-school saw 100 per cent placement in the summer internship programme comprising 362 students. According to a B-school placement committee source, 95 companies took part in the summer internship programme last year.

PUBLICATION: The Times of India
DATE:23 October 2019
EDITION:Kolkata
PAGE:20

100% placement at Xavier School: Xavier School of Management announces the completion of its Summer Internship Placement Process (SIP) for the batch of 2019-21 within two days. The batch comprising 361 students has achieved 100% placement. The average stipend saw an increase to Rs 1.2 lakh per month from Rs 1.07 lakh per month in 2018.

एक्सएलआरआई के समर प्लेसमेंट ने मंदी का मिथक तोड़ा

अडाणी समेत11 नई कंपनियों ने की शिरकत

पैकेज में पिछले साल के मुकाबले बढ़ोत्तरी

सबसे बड़ा पैकेज सालाना 30 लाख का

XLRI
Xavier School of Management

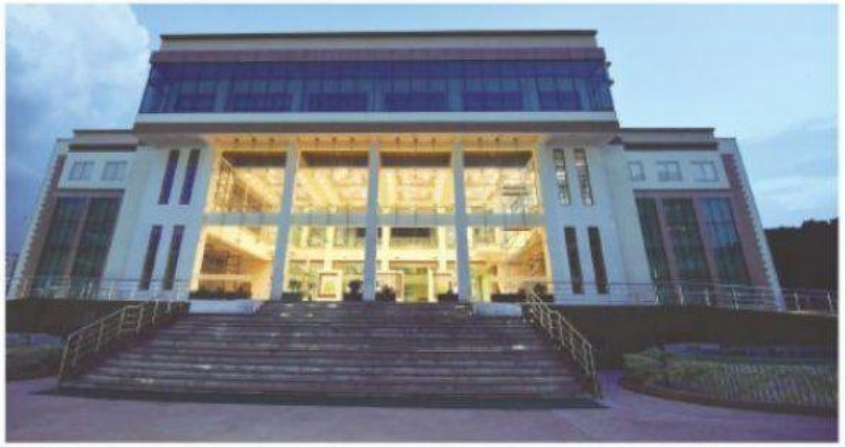

जमशेदपुर : एक्सएलआरआई के समर प्लेसमेंट में इस बार पैकेज में काफी उछाल आया है जो इसकी ओर इशारा करता है कि देश में मंदी का जो माहौल बनाया जा रहा है, वो वास्तव में है या मिथक है. सत्र 2019-21 बैच के 361 छात्रों को सौ फीसदी प्लेसमेंट मिला है. इस साल समर इन्टर्नशिप में कुल 86 रिक्रूटर्स (नियोक्ताओं) ने शिरकत की जिसमें से 11 पहली बार आए थे.

छात्रों को इस बार सालाना पैकेज (स्टाइपेंड) भी बढ़कर ऑफर हुआ है. पिछले साल छात्रों को 12.84 लाख रुपये का सालाना पैकेज ऑफर हुआ था जो इस बार बढ़कर 14.40 लाख रुपये हो गया. औसत पैकेज भी 14.40 लाख रुपये ही था. सर्वाधिक पैकेज सालाना 30 लाख रुपये का रहा जो बैंकिंग, वित्तीय सेवा व बीमा क्षेत्र (बीएसएफआई) सेक्टर से था. सबसे ज्यादा ऑफर देनेवालों में कन्सल्टिंग, सेल्स, मार्केटिंग और बीएसएफआई थे. कन्सल्टिंग फर्म ने 16 फीसदी छात्रों को ऑफर दिए, सेल्स और मार्केटिंग व बीएसएफआई ने 40 फीसदी और 17 फीसदी को ऑफर दिया. नियमित रिक्रूटरों में से अमेजॉन ने सबसे ज्यादा ऑफर दिए. अन्य नियमित रिक्रूटरों में बोस्टन कन्सल्टिंग ग्रुप, माइक्रोसॉफ्ट, प्रॉक्टर एंड गैम्बल, आदित्य बिड़ला ग्रुप, आईटीसी, नेस्ले, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, मांडलीज, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, सिटी बैंक आदि शामिल हैं. पहली बार आनेवालों में बैन एंड कंपनी, अडाणी ग्रुप, डिएगो, एनआईआईएफ, कॉर्नफेरी, फोनपे, मार्स एंड उड़ान आदि शामिल हैं. एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर पी क्रिस्टी ने समर प्लेसमेंट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि इस साल का समर प्लेसमेंट बेहतर रहा है.

केबुल कम्पनी के पूर्व पदाधिकारी को जान से मारने की धमकी दी

को-ऑपरेटिव बैंक-सरक

उदित वाणी Wed, 23 October 2019
https://www.readwhere.com/read/c/45015697